

भारत में लाइटहाउस पर्यटन को प्रोत्साहन

प्रलिम्स के लिये:

[मैरीटाइम इंडिया वज़िन \(MIV\) 2030](#), ऋग्वेद, [युनेस्को विश्व धरोहर स्थल](#), लाइटहाउस, [मामलपुरम](#), [सागरमाला पहल](#)

मेन्स के लिये:

लाइटहाउस पर्यटन को प्रोत्साहन, मैरीटाइम इंडिया वज़िन (MIV) 2030, विकास और संधारणीय पर्यटन प्रथाएँ

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)


चर्चा में क्यों?

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री ने केरल के वज़िनिजाम में दीप सतंभ और दीपपोत महानिदेशालय (Directorate General of Lighthouses and Lightships) द्वारा आयोजित हतिधारकों की बैठक के दौरान भारत में [मैरीटाइम इंडिया वज़िन \(MIV\) 2030](#) और [मैरीटाइम अमृत काल वज़िन 2047](#) के तहत लाइटहाउस पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना की घोषणा की।

लाइटहाउस क्या है?

- परचिय:** लाइटहाउस/दीपस्तंभ एक प्रकार का टावर, इमारत या अन्य प्रकार की संरचना है जैसे **लैंप और लेंस की प्रणाली से प्रकाश उत्सर्जित** करने के लिये डिज़ाइन किया गया है तथा इनका उपयोग **नाविकों एवं स्थानीय मछुआरों** हेतु नौचालन सहायता के रूप में किया जाता है। लाइटहाउस खतरनाक समुद्री तटों, परसिकटमय रेतलि क्षेत्र, चट्टानों आदिको चहिनति करने के साथ-साथ बंदरगाहों में सुरक्षति प्रवेश भी उपलब्ध कराते हैं।
 - वर्तमान में भारत के जलीय क्षेत्र के समुद्री तट और द्वीपों पर अब तक **194 दीपस्तंभों** की स्थापना और **रखरखाव** का कार्य किया जा रहा है।
- ऐतहासिकि भूमिका:**
 - पौराणिकि संबंध:** 'मनु' को बाढ़ से बचाए जाने संबंधी कथाएँ समुद्र और नौवहन के संबंध में भारत के प्रारंभिकि ज्ञान को उजागर करती है।
 - 7वीं शताब्दी ई. में, पल्लव राजा नरसहिवरमन-I** ने जहाज़ों के नौचालन हेतु लकड़ी की आग का उपयोग करते हुए [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#) [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#) में एक लाइटहाउस की स्थापना की।
 - यह लाइटहाउस [युनेस्को विश्व धरोहर स्थल](#), शोर मंदिर परसिर के अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

महत्त्वपूर्ण आधुनिक लाइटहाउस:

लाइटहाउस	वविरण	इमेज
तांगसेरी लाइटहाउस, कोल्लम, केरल	यह केरल में अंगरेज़ों द्वारा नरिमति सबसे ऊँचा लाइटहाउस है। इसे सफेद और लाल रंग से रंगा गया है जो इसे आकर्षक बनाता है।	
महाबलीपुरम लाइटहाउस, तमलिनाडु	यह औपनविशिकि काल का प्राचीन लाइटहाउस है जो पल्लव वंश के महेंद्र पल्लव द्वारा बनवाए गए प्राचीन लाइटहाउस के समीप	

	<p>स्थिति है। हालाँकि यह क्रियाशील नहीं है कति पर्यटक के लिये खुला है।</p>	
<p>कौप बीच लाइटहाउस, उडुपी, कर्नाटक</p>	<p>मूलतः इसका निर्माण वर्ष 1901 में अंगरेजों ने किया था और वगित कुछ वर्षों में इसमें कई सुधार किये गए हैं जिसमें विभिन्न लाइटिंग उपकरण संस्थापित किये गए।</p>	
<p>वझिनिजाम लाइटहाउस, कोवलम, केरल</p>	<p>वर्ष 1925 में कोलाचल में एक लाइट बीकन स्थापित किया गया था और उसके पश्चात् 1960 में वझिनिजाम में एक डे मार्क बीकन प्रदान किया गया। एक प्रमुख लाइटहाउस निर्माण वर्ष 1972 में पूरा हुआ था। यह भारत के प्राचीनतम और सबसे अद्भुत लाइटहाउस में से एक है।</p>	
<p>अगुआड़ा कलिा लाइटहाउस, गोवा</p>	<p>यह पुर्तगाली द्वारा निर्मित एक सुव्यवस्थित रूप से संरक्षित संरचना है जो गोवा में स्थित प्रमुख स्थलों में से एक। यहाँ से समुद्र का अद्भुत नजारा देखा जा सकता है जो इसे पर्यटकों के लिये एक महत्त्वपूर्ण स्थल बनाता है।</p>	
<p>चंद्रभागा, ओडिशा</p>	<p>यह लाइटहाउस कोणार्क मंदिर के समीप स्थित है सुपर साइक्लोन (1999), फैलनि (2013) और फानी (2019) जैसे भीषण चक्रवातों का सामना किया है।</p>	

टपिपणी: तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में, टॉलेमी द्वितीय ने प्राचीन दुनिया के सात अजूबों में से एक, अलेक्जेंडरिया के प्रसिद्ध फारोस (अलेक्जेंडरिया

का लाइटहाउस) का निर्माण करवाया था।

- उच्च गुणवत्ता वाले केदान पत्थर की ईंटों से बना यह टॉवर पधिले हुए सीसे में जड़ा हुआ था, जसि 1600 वर्षों तक संचालति कयिा गया था। 13वीं शताब्दी ईसवी में, एक भयंकर भूकंप के कारण यह क्षतग्रस्त हो गया।

भारत में आधुनिक लाइटहाउस की क्या भूमिका है?

- आधुनिक लाइटहाउस जहाज़ों का दिशा प्रदर्शति करने, बंदरगाहों को चहिनति करने और सगिनल भेजने में सहायता करते हैं, जो [जीपीएस तकनीक](#) के लयि मूलयवान आधार के रूप में काम करते हैं।
- वर्ष 2008 के [मुंबई आतंकवादी हमलों](#) के बाद, तटीय नगिरानी के लयि लाइटहाउसों को अत्याधुनिक राडार से लैस कयिा गया था।
- भारत सरकार ने मछुआरों और लाइटहाउस के बीच संचार की सुवधि के लयि [सवचालति पहचान प्रणाली \(AIS\)](#) की स्थापना की।
- नेवगिशन के लयि [समुद्री सहायता अधनियम 2021](#) का उद्देश्य लाइटहाउस के ऐतहासिक और सांस्कृतिक मूलय में वृद्धिकरना है।
- गोवा में [इंडयिन लाइटहाउस फेस्टविल जैसे आयोजन](#) इन संरचनाओं की वरिसत और पर्यटन क्षमता को प्रदर्शति करते हैं। कई लाइटहाउस अब पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं, जो ऐतहासिक अंतरदृष्टि और आश्चर्यजनक दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

आधुनिक नौवहन सहायक उपकरण

- **लाइट वेसल्स (Light Vessels):** ऐसी परस्थितियों में जहाँ लाइटहाउस बनाना संभव नहीं होता, इन फ्लोटिंग लाइट वेसल्स का इस्तेमाल अलग-अलग उथले जल या जल के नीचे के खतरों की पहचान करने के लयि कयिा जाता है। वे रोशनी और ऑप्टिकल उपकरणों का उपयोग करके जहाज़ के झुकाव को रोकती हैं।
- **प्लव (Buoys):** प्लव नाविकों को नेवगिशनल दिशाएँ प्रदान करते हैं। आरंभ में एसटिलीन गैस का उपयोग करते हुए, वे अब सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल द्वारा संचालति इलेक्ट्रिक लाइट पर काम करते हैं।
- **एम. एफ. रेडियो बीकन (M.F Radio Beacons):** वर्ष 1955-60 के बीच स्थापति, इन्हें समुद्री स्थिति में बेहतर सटीकता के लयि डफिरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (DGPS) द्वारा प्रतस्थापति कयिा गया था।
- **रैकनस (Racons):** ये रडार ट्रांसपोंडर बीकन जहाज़ के रडार को एक विशिष्ट कूट सगिनल भेजते हैं, जो रेंज, दिशा और पहचान संबंधी डेटा प्रदान करते हैं।

भारत में लाइटहाउस पर्यटन को बढ़ावा देने के क्या लाभ हैं?

- **सांस्कृतिक वरिसत:** लाइटहाउस ऐतहासिक और सांस्कृतिक मूलय प्रदान करते हैं, जसिसे वे शैक्षणिक केंद्र के रूप में कार्य करते हैं, साथ ही गोवा के ऐतहासिक कलि अगुआड़ा में आयोजति **भारत का प्रथम लाइटहाउस महोत्सव "भारतीय प्रकाश सतंभ उत्सव"** जैसे कार्यक्रम भारत की समृद्ध समुद्री वरिसत का उत्सव मनाते हैं, जो ऐतहासिक लाइटहाउस के प्रतजागरूकता तथा प्रशंसा को बढ़ावा देते हैं, जनिहें पूरव में वृहद स्तर पर नज़रअंदाज़ कयिा गया है।
 - नौवहन के लयि [नौचालन के लयि सामुद्रिक सहायता अधनियम, 2021](#) के तहत, कुछ प्रकाशसतंभों को वरिसत स्थल के रूप में नामति कयिा जा सकता है, जसिसे उनकी भूमिका नौवहन सहायता से आगे बढ़कर सांस्कृतिक और शैक्षणिक उद्देश्यों तक वसितारति हो जाएगी।
 - लाइटहाउस वजिति करने से व्यापार, वजिय और यात्रा में **उनकी सदयिों पुरानी भूमिका की झलक मलिती है**। लाइटहाउस समुद्र के कनारे सूर्यास्त का आनंद लेने और समुद्री इतिहास के बारे में जानने के लयि अद्वितीय सुवधिजनक स्थान प्रदान करते हैं।
- **आर्थिक वकिस:** [लाइटहाउस और लाइटशिपि महानदिशालय](#) ने पर्यटन वकिस में संभावति नविश के लयि 75 लाइटहाउस की पहचान की है, जो आस-पास के क्षेत्रों को आर्थिक लाभ प्रदान करते हैं।
 - यह पहल [सार्वजनिक-नज्जि भागीदारी \(PPP\)](#) के माध्यम से नविश क्षमता पर प्रकाश डालती है, जसिसे नज्जि संस्थाओं को इन स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में वकिसति करने में नविश करने के लयि प्रोत्साहति कयिा जाता है।
 - पर्यटन बढ़ने से तटीय क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या में वृद्धिकर सकती है, जसिसे स्थानीय वकिरेताओं, रेस्तरां और सेवा प्रदाताओं को लाभ होगा।
- **पर्यावरण जागरूकता:** वरिसत लाइटहाउस पर ध्यान पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देता है, जो पर्यटकों को आकर्षति करते हुए तटीय वातावरण की रक्षा कर सकते हैं।
 - इस पहल का उद्देश्य लाइटहाउस को बहुआयामी पर्यटन स्थलों में बदलना है, जो पारंपरिक सागरीय तट पर्यटन से परे वविधि अनुभव प्रदान करते हैं।

लाइटहाउस और लाइटशिपि महानदिशालय

- बंदरगाह, जहाज़रानी और जलमार्ग मंत्रालय के तहत लाइटहाउस तथा लाइटशिपि महानदिशालय, भारतीय तट के साथ **समुद्री नेवगिशन में सहायता प्रदान करता है**। इसका मुख्यालय नोएडा में है, क्षेत्रीय मुख्यालय 9 जिलों (गांधीधाम, जामनगर, मुंबई, गोवा, कोचीन, चेन्नई, विशाखापत्तनम,

कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर) में है।

- इसका उद्देश्य लाइटहाउस, हल्के जहाजों, प्लव (Buoys) और बीकन जैसे दृश्य सहायता के साथ-साथ डीजीपीएस तथा रैकनस(RACONS) जैसे रेडियो सहायता के माध्यम से **भारतीय जल में सुरक्षित नेविगेशन सुनिश्चित करना** है।
- नदिशालय इंटरैक्टिव नेविगेशन नयित्रण के लिये पोत यातायात सेवाएँ भी प्रदान करता है। यह लाइटहाउस अधिनियम 1927 के अनुसार समुद्री नेविगेशन के लिये सामान्य सहायता बनाए रखने के लिये ज़िम्मेदार है, जबकि स्थानीय सहायता समुद्री राज्य सरकार संगठनों द्वारा बनाए रखी जाती है।
 - नदिशालय स्थानीय लाइटों के रखरखाव के लिये तकनीकी सहायता प्रदान करता है, साथ ही यद्वितीय बाधाओं या तकनीकी कर्मियों की कमी के कारण अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा नहीं किया जाता है तो नदिशालय रखरखाव की ज़िम्मेदारी ले सकता है।

मैरीटाइम इंडिया वज़िन (MIV), 2030 क्या है?

- मैरीटाइम इंडिया वज़िन, 2030 (जिसी नवंबर, 2020 में मैरीटाइम इंडिया समिति में प्रधानमंत्री द्वारा जारी किया गया था) भारत में समुद्री क्षेत्र से संबंधित दस वर्ष की रणनीति है। इसका उद्देश्य जलमार्ग, जहाज निर्माण उद्योग और क्रूज पर्यटन को उन्नत बनाना है।
- मैरीटाइम इंडिया वज़िन 2030 के तहत वैश्विक समुद्री क्षेत्र में भारत की स्थिति को मज़बूत बनाने के क्रम में आवश्यक वषियों पर प्रकाश डाला गया है। इसके द्वारा **सागरमाला पहल** का स्थान लिया जाएगा। इसका उद्देश्य भारत में जलमार्गों को बढ़ावा देना तथा क्रूज पर्यटन को प्रोत्साहित करना है।
 - MIV 2030 के तहत 4 प्रमुख क्षेत्रों में हस्तक्षेपों की पहचान की गई है: **ब्राउनफील्ड क्षमता में वृद्धि, विश्व स्तरीय मेगा पोर्ट विकसित करना, दक्षिण भारत में ट्रांसशपिंग हब का विकास करना और बुनियादी ढाँचे का आधुनिकीकरण करना**।
 - भारत का लक्ष्य **अगले 5 से 10 वर्षों में विश्व नरियात में 5% हिस्सेदारी हासिल करना** है, जिसके लिये नरियात में उचित वृद्धि की आवश्यकता है। इसे प्राप्त करने के लिये भारतीय बंदरगाहों के संदर्भ में **ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (EoDB)** में सुधार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके तहत प्रमुख
 - 200 से अधिक बंदरगाहों की कनेक्टिविटी परियोजनाओं, मशीनीकरण, प्रौद्योगिकी अपनाने, परिवहन समय में कमी, लागत में कमी, तटीय शपिंग को बढ़ावा देना और पोर्टलैंड औद्योगिकीकरण के माध्यम से **लॉजिस्टिक दक्षता एवं लागत प्रतस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाना**।
 - MIV 2030 का उद्देश्य **शासन तंत्र में सुधार करना**, मौजूदा कानूनों में संशोधन करना, **समुद्री एवं तटरक्षक एजेंसी (MCA)** को मज़बूत करना तथा समुद्री क्षेत्र में सतत विकास का समर्थन करने हेतु PPP अपनाना और राजकोषीय सहायता एवं वित्तीय अनुकूलन को बढ़ावा देना शामिल है।
 - भारत का लक्ष्य शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए समुद्री क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनना है। वर्तमान में **शिव के नाविकों में 10-12% की भागीदारी** वाले भारत को फिलीपींस जैसे देशों से बढ़ती प्रतस्पर्द्धा का सामना करना पड़ रहा है।
 - इस क्षेत्र के तहत मुख्य हस्तक्षेपों में अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ावा देना, शिक्षा एवं प्रशिक्षण में सुधार करना और नाविकों तथा बंदरगाह क्षमता के विकास हेतु अनुकूल वातावरण का निर्माण करना शामिल है।
 - भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक अपनी राष्ट्रीय ऊर्जा का 40% नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करना है और इस क्रम में **भारत में सुरक्षित, कुशल एवं टिकाऊ बंदरगाहों हेतु अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के लक्ष्यों के साथ समन्वयित होने की आवश्यकता** है।
 - MIV 2030 के तहत सुरक्षित, धारणीय एवं हरित बंदरगाहों में अग्रणी के रूप में भारत की स्थिति को बढ़ाने के लिये प्रमुख हस्तक्षेपों की पहचान की गई है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना, वायु उत्सर्जन को कम करना, जल उपयोग को अनुकूलित करना, अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करना, **शून्य दुरघटना सुरक्षा कार्यक्रम को लागू करना तथा एक केंद्रीकृत नगरानी प्रणाली की स्थापना करना शामिल है**। हस्तक्षेपों में **राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स पोर्टल (समुद्री)** का निर्माण करना, समुद्री हतिधारकों से संबंधित प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण करना, डिजिटल-आधारित स्मार्ट बंदरगाहों का निर्माण करना तथा प्रणालीगत-संचालित दृष्टिकोणों के माध्यम से बंदरगाह के प्रदर्शन की नगरानी करना शामिल है।

?????? ???? ?????:

प्रश्न. भारत में लाइटहाउस के ऐतिहासिक महत्त्व को बताते हुए समुद्री नौवहन में उसकी भूमिका पर चर्चा कीजिये। लाइटहाउस पर्यटन को बढ़ावा देने से इस वरिषत को संरक्षित करने के साथ भारत की अर्थव्यवस्था में किस प्रकार योगदान मिल सकता है?